एक भारत श्रेष्ठ भारत के अन्तर्गत हिन्दी विभाग की रिपोर्ट
(जुलाई-2020)

हयवदन
(गिरीश कर्नाड द्वारा लिखित प्रसिद्ध नाटक - कन्नड़)

कोविड-19 के कारण उत्पन्न विषम परिस्थितियों में जबकि देश के सभी स्कूल, कॉलेज और महाविद्यालय बन्द हैं, और पूरा विश्व एक मानसिक तनाव और अकेलेपन से जूझ रहा है, ऐसे में एम० के० पी० (पी० जी०) कालेज, देहरादून के हिन्दी विभाग एम० ए० की छात्राओं द्वारा प्रसिद्ध लेखक श्री गिरीश कर्नाड द्वारा लिखित कन्नड नाटक "हयवदन" को रंगमंच के द्वारा प्रस्तुत करना था, परन्तु कोविड-19 महामारी के कारण यह नाटक सभी पात्र छात्राओं के द्वारा ऑनलाइन प्रक्रिया के अंतर्गत विडियो-रिकॉर्डिंग के द्वारा प्रस्तुत किया गया है।

गिरीश कर्नाड द्वारा लिखित हयवदन निश्चय ही एक अनूठा प्रयोग है इसमें पारंपरिक रूपों के कई जीवंत रंग तत्वों का विरल रचनात्मक प्रयोग किया गया है। सिरो और धड़ो की अदला बदली की असमंजस भरी प्राचीन कथा पर आधारित यह नाटक जिस तरह देवदत्त, पद्मिनि और कपिल के प्रेम-त्रिकोण के समानान्तर हयवदन के उपाख्यान को एक लचीले रंग-शिल्प में पेश करता है, वह केवल कन्नड़ नाट्य लेखन को ही नहीं वरन सम्पूर्ण आधुनिक भारतीय रंगकर्म के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि सिद्ध हुआ है।

पात्र परिचय:

1- वर्तिका - परिचयकर्ता
2- शिवानी - प्रस्तुतकर्ता
3- लक्ष्मी - हयवदन
4- रश्मि - एक लड़का
5- पूजा रमोला - ऋषि
6- दिव्या - भगवत
7- पूजा नौटियाल - पद्मिनि
8- प्रियंका - कपिल
9- किरन - देवदत्त
10- वैशाली - देवी काली

(हिन्दी विभाग)

ಬಂಕಿಪಿ ಪಿಜಿ ಕಾಲೇಜಿನ 27 ನೇ ದಿನಾಂಕದೊಂದಿಗೆ ಹಿಂದಿ
ವಿಭಾಗದ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳು ಒಂದೇ ಭಾರತ್ ಶ್ರೇಷ್ಠ ಭಾರತ್
ಅಡಿಯಲ್ಲಿ ಪ್ರಸ್ತುತಪಡಿಸಿದ ಆನ್‌ಲೈನ್ ನಾಟಕ
ಇಲಾಖೆಯ ಅಧ್ಯಕ್ಷ ಡಾ. ಅ.ಲ್ಯಾ ಮೋಹನ್ ಅವರ ಪ್ರಕಾರ, ಭಾರತದ
ಸರ್ಕಾರದ ನಿರ್ದೇಶನದ ಪ್ರಕಾರ, ಭಾರತದ ಅನೇಕ
ರಾಜ್ಯಗಳ ಭಾಷೆ ಮತ್ತು ಸಂಸ್ಕೃತಿಯನ್ನು ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಿಗೆ
ಪರಿಚಯಿಸಲು ವಿವಿಧ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮಗಳನ್ನು ಆಯೋಜಿಸಲಾಗುತ್ತಿ
ದೆ. ಈ ಸಂಚಿಕೆಯಲ್ಲಿ ಕರ್ನಾಟಕದ ಪ್ರಸಿದ್ಧ ಬರಹಗಾರ ಮತ್ತು
ಕಲಾವಿದ ಗಿರೀಶ್ ಕಾರ್ನಾಡ್ ಬರೆದ ಕನ್ನಡ ನಾಟಕವಾದ
ಬಾದನ್ ನ ಹಿಂದಿ ಆವೃತ್ತಿಯನ್ನು ಪ್ರಸ್ತುತಪಡಿಸಲಾಯಿತು.
ತುದಿಗಳು ಮತ್ತು ಬಣಗಳು ವಿನಿಮಯದ ಗೊಂದಲಯ ಪ್ರಾಚೀನ
ಕಥೆಯನ್ನು ಆಧರಿಸಿದ ಈ ನಾಟಕವು ಕನ್ನಡ ನಾಟಕ
ಬರವಣಿಗೆಗೆ ಮಾತ್ರವಲ್ಲದೆ ಇಡೀ ಆಧುನಿಕ ಭಾರತೀಯ
ರಂಗಭೂಮಿಗೆ ಬಂದು ಸಾಧನೆಯಾಗಿದೆ. ವರ್ತಿಕಾ ರಿವಾಣಿ ಲಕ್ಷ್ಮಿ
ಪೂಜಾ ರಾಮೋಲಾ ರಹೀಮ್ ದಿವ್ಯಾ ಪೂಜಾ ನೌಟಿಯಲ್
ಪ್ರಿಯಾಂಕಾ ಕಿರಣ್ ವೈಶಾಲಿ ತಮ್ಮ ನಟನೆಯೊಂದಿಗೆ ನಾಟಕವನ್ನು
ಪುನರುಜ್ಜೀವನಗೊಳಿಸಿದರು ವರ್ತಿಕಾ ರಿವಾಣಿ ಲಕ್ಷ್ಮಿ ಪೂಜಾ
ರಾಮೋಲಾ ರಹೀಮ್ ದಿವ್ಯಾ ಪೂಜಾ ನೌಟಿಯಲ್ ಪ್ರಿಯಾಂಕಾ
ಕಿರಣ್ ವೈಶಾಲಿ ತಮ್ಮ ನಟನೆಯೊಂದಿಗೆ ನಾಟಕವನ್ನು
ಪುನರುಜ್ಜೀವನಗೊಳಿಸಿದರು.

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

सोमवार, 27 जुलाई 2020, देहरादून, पांच प्रदेश, 21 संस्करण

www.livehindustan.com

उत्तराखंड के छात्र भी सीखेंगे कन्नड़ भाषा

देहरादून | विशेष संवाददाता

यदि घर पर आपके बच्चे अतिथि के आने पर 'निम्मगे स्वागत' कहें। या फिर गलती होने पर माफ करिए, सॉरी कहने के बजाए 'क्षमिसी' कहें तो चौंकिएगा नहीं। ये कन्नड़ भाषा के शब्द हैं। एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत केंद्र सरकार ने उत्तराखंड के छात्रों के लिए कन्नड़ भाषा सीखने के लिए एक अनूठा तोहफा भेजा है।

कार्यक्रम की नोडल अधिकारी पद्मी शशि चौधरी ने बताया कि आम बोलचाल में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने 100 वाक्यों का सेट व्हाट्सएप व अन्य माध्यमों से स्कूलों तक पहुंचाने को कहा है। वर्चुअल क्लासरूम वाले 500 स्कूलों को भी यह सेट भेजा गया है।

छात्राओं ने कन्नड़ नाटक 'हयवदन' का किया मंचन

देहरादून। एमकेपी पीजी कॉलेज के हिन्दी विभाग ने छात्राओं ने कर्नाटक के प्रसिद्ध लेखक व रंगकर्मी गिरीश कर्नाड के कन्नड़ नाटक 'हयवदन' के हिन्दी रूपांतरण का मंचन किया। विभागाध्यक्ष डॉ अलका मोहन ने कहा कि भारत के अन्य राज्यों की भाषा से छात्राओं को परिचित कराने के मकसद से कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।